जिला जनसम्पर्क कार्यालय, खूँटी

दिनांक 12.02.2018

प्रेस विज्ञप्ति

आज श्री सूरज कुमार, (भा0 प्र0 से0) ने खूंटी जिला में नये उपायुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान उपायुक्त डॉ. मनीष रंजन ने उन्हें पदभार सौंपा। नये उपायुक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2013 बैच के आई0ए0एस0 अधिकारी हैं। इनकी प्रारंभिक शिक्षा सरायकेला–खरसांवा जिले के गम्हरिया में हुई। उन्होंने बारहवीं की परीक्षा करीमसिटी कॉलेज जमशेदपुर से उत्तीर्ण की। इसके बाद बिट्स पिलानी संस्थान, राजस्थान से बी.ई. कम्प्युटर साइंस की डिग्री हासिल की। वे 12 जनवरी 2016 से 24 जनवरी 2017 तक धालभूमगढ़ में अनुमण्डल पदाधिकारी के रूप में कार्यरत रहे। 22 जनवरी 2017 से 11 फरवरी 2018 तक उन्होंने डीडीसी पूर्वी सिंहभूम का पदभार संभाला।

खूंटी के उपायुक्त पद पर योगदान करने के पश्चात उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा की जन्मस्थली एवं कर्मस्थली पर कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मेरी प्राथमिकता सरकार के विभिन्न योजनाओं को जनता तक पहुंचाना है। चुंकि यह जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है, अतः मेरा फोकस अन्य योजनाओं के साथ–साथ ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाएं, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण युवकों को स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना, बारहवीं के बाद ड्रॉप बच्चों की संख्या को कम कम करने के लिए करियर काउंसेलिंग की व्यवस्था करने आदि पर होगा। **विधि–व्यवस्था का संधारण, शांतिपूर्ण एवं सौहार्द को बनाए रखना, जनता एवं प्रशासन के बीच वार्तालाप एवं विकास के योजनाओं के माध्यम से दूरी को पाटने का कार्य किया जाएगा। लोगों के बीच योजनाओं की जानकारी हेतु प्रचार–प्रसार एवं जनजागरूकता आवश्यक है।** यदि कहीं भ्रांतियां हैं तो संवाद एवं वार्तालाप के द्वारा उन्हें दूर किया जाएगा। जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया की भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

आज उपायुक्त खूंटी श्री सूरज कुमार के द्वारा जिले के पदाधिकारियों के साथ उनके विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं उनकी अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने दिव्यागों के लिए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सिविल सर्जन को कैम्प आयोजित करने एवं उसी दिन दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत करने को कहा। कैम्प के पूर्व लाउडस्पीकर एवं अन्य माध्यमों से प्रचार–प्रसार करने को कहा ताकि संबंधित लाभुकों को इसकी जानकारी मिल सके। उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल

खूंटी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को समन्वय स्थापित करते हुए 14वें वित्त आयोग की राशि से आंगबाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों में हैंडवासिंग यूनिट लगाने को कहा। उन्होंने जिला कल्याण द्वारा संचालित योजनाओं में शहीद ग्राम विकास, साईकिल वितरण, छात्रवृत्ति, साईकिल वितरण इत्यादि के साथ प्रखण्डों में बन रहे पंचायत भवन की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली। जिला शिक्षा विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि जिले में बारहवीं के बाद छात्रों के ड्रॉप आउट को रोकने के लिए कैरियर काउंसेलिंग करने तथा इस हेतु पांच–पांच मोटिवेटेड शिक्षकों का एक पुल बनाने को कहा। पूरे जिले में 1200 छात्र–छात्राओं का चुनाव कर उन्हें कैरियर काउंसेलिंग से जोड़ने एवं प्रखण्ड के किसी विद्यालय का चयन कर कैरियर काउंसेलिंग प्रारंभ करने का कहा। जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी को सभी विभागों की जानकारी वृहद् पैमाने पर जिले के वेबसाईट पर उपलब्ध कराने एवं वेबसाईट अपडेट करने को कहा। जिला आपूर्ति, जिला योजना, सामान्य शाखा, जिला निबंधन, नगर पंचायत, श्रम विभाग, यू0आई0डी0 आदि की भी समीक्षा की तथा अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। उन्होंने गुड गवर्नेंस का अक्षरशः अनुपालन हेतु सभी पदाधिकारी को निदेश दिया। साथ ही सभी पदाधिकारियों से टीम भावना एवं समन्वय स्थापित कर कार्य करने को कहा। इस अवसर पर निदेशक, आई0टी0डी0ए0, अपर समाहर्ता खूंटी, सिविल सर्जन खूंटी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला नजारत उपसमाहर्ता, कोषागार पदाधिकारी, निदेशक, डी0आर0डी0ए0, कार्यपालक दण्डाधिकारी श्री रविन्द्र गागराई आदि उपस्थित थे।